

'मेहनत, संकल्प और संघर्ष की मिसाल: चंद्रलेखा मौर्या बनीं न्यायिक दंडाधिकारी'

संवाददाता. नूरसराय

नूरसराय (नालंदा) (अपना नालंदा)। अगर मन में मजबूत इरादा हो और मेहनत के प्रति ईमानदारी बनी रहे, तो कई भी बाधा सफलता की राह में रुकावट नहीं बन सकती। इसी दृढ़ संकल्प का परिचय देते हुए नूरसराय प्रखंड के परासी गांव की चंद्रलेखा मौर्या ने बिहार न्यायिक सेवा (BPSC 32वीं न्यायिक परीक्षा) में प्रथम प्रयास में ही शानदार सफलता प्राप्त कर 40वीं रेंक हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे गांव में खुशी की लहर दोड़ गई है। परिजनों और ग्रामीणों ने एक-दूसरे को मिठाइयां खिलाकर बधाइयां दीं और चंद्रलेखा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सफलता की राह: ननिहाल में रहकर की पढ़ाई चंद्रलेखा मौर्या की प्रारंभिक शिक्षा उनके ननिहाल में हुई। बचपन से ही वे पढ़ाई में मेधावी रहीं और हमेशा लक्ष्य के प्रति समर्पित रहीं। अपनी लगन, मेहनत और आत्मविश्वास के बल पर उन्होंने पहली ही बार में इस प्रतिष्ठित परीक्षा को पास कर सफलता की नई मिसाल कायम की।

मां बनी प्रेरणा, सफलता का श्रेय उन्हें दिया अपनी इस सफलता का श्रेय चंद्रलेखा ने अपनी मां सुधा देवी को दिया। उन्होंने कहा, ज्येष्ठी मां हमेशा मेरी प्रेरणा रही हैं। उन्होंने हर परिस्थिति में मेरा मार्गदर्शन किया और मुझे आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इस मुकाम तक पहुंचने में कई कठिनाइयां आई, लेकिन दृढ़ निश्चय, मेहनत और ईमानदारी से की गई पढ़ाई ने उन्हें इस सफलता तक पहुंचाया। उन्होंने अन्य विद्यार्थियों को भी संदेश दिया कि यदि वे लगन और मेहनत से पढ़ाई करेंगे, तो सफलता अवश्य मिलेगी। पढ़ाई के साथ शौक भी जरूरी चंद्रलेखा मौर्या को पढ़ाई



के साथ-साथ संगीत सुनने और गाने का भी शौक है। इसके अलावा, उन्हें शर्तरंज खेलना और कार्टून देखना भी पसंद है। उनका मानना है कि अध्ययन के साथ रुचियों को भी बनाए रखना आवश्यक है, जिससे मानसिक ताजगी बनी रहती है। बधाइयों का तांता, मंत्री श्रवण कुमार ने दी शुभकामनाएं चंद्रलेखा मौर्या की इस उपलब्धि पर बिहार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इसके अलावा, जदयू के कला-संस्कृति प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष विजय प्रकाश, वरिष्ठ जदयू नेता राजेंद्र प्रसाद, डॉ. सुनील दत्त, संजय कुमार और जितेंद्र कुमार सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने भी उन्हें बधाई दी।

चंद्रलेखा की इस सफलता से परासी गांव का नाम रोशन हुआ है और वे अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा बन गई हैं। उनकी कहानी यह संदेश देती है कि अगर मेहनत और लगन के साथ कोई भी लक्ष्य तय किया जाए, तो सफलता निश्चित रूप से कदम चूमती है।

पिलीच गांव में चोरी की वारदात, एसपी के निर्देश पर एसआईटी गठित

संवाददाता. बिहारशरीफ

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। जिले के पिलीच गांव में ज़ज़ात चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए आभूषण और अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन हरकत में आ गया और उच्च अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। चोरी की शिकार अनुराधा देवी (पति- शांतिचरण प्रसाद) ने बताया कि 4 फरवरी को सुबह करीब 2:00 बजे जब वे शौच के लिए बाहर जाने लगीं, तो पाया कि उनके कमरे का दरवाजा बाहर से बंद था। उन्होंने पड़ोसियों को फोन कर मदद मांगी, जिसके बाद दरवाजा खोला गया। बाहर निकलने पर उन्होंने देखा कि घर के अन्य तीन कमरों के दरवाजे खुले थे और संदूक तोड़कर आभूषण व अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया गया।

संवाददाता. बिहारशरीफ

था। चोरी की वारदात की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक नालंदा, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी हिलसा-02 और अंचल निरीक्षक एकंगरसराय ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। फॉरेंसिक साइंस लैब (एस) टीम ने साक्ष्य एकत्र किए, जबकि स्वान दस्ता और तकनीकी टीम भी घटनास्थल पर जांच के लिए पहुंची। चोरी की घटना के त्वारित खुलासे के लिए पुलिस अधीक्षक नालंदा के निर्देश शानुसार अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी हिलसा-02 के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया गया है। जांच टीम में अंचल निरीक्षक, एकंगरसराय, पुलिस निरीक्षक (DIU), थानाध्यक्ष परवलपुर, थानाध्यक्ष हिलसा तथा थानाध्यक्ष थरथरी शामिल हैं।

न्याय के साथ विकास की बात करने वाले सीएम नीतीश कुमार, अब पूरी तरह भाजपा के बंगल में फंस गुके हैं:-सुरेंद्र राम

संवाददाता. नूरसराय

करायापुरसुराय (अपना नालंदा)। अगर मन में मजबूत इरादा हो और मेहनत के प्रति ईमानदारी बनी रहे, तो कई भी बाधा सफलता की राह में रुकावट नहीं बन सकती। इसी दृढ़ संकल्प का परिचय देते हुए नूरसराय प्रखंड के परासी गांव की चंद्रलेखा मौर्या ने बिहार न्यायिक सेवा (BPSC 32वीं न्यायिक परीक्षा) में प्रथम प्रयास में ही शानदार सफलता प्राप्त कर 40वीं रेंक हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे गांव में खुशी की लहर दोड़ गई है। परिजनों और ग्रामीणों ने एक-दूसरे को मिठाइयां खिलाकर बधाइयां दीं और चंद्रलेखा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सफलता की राह: ननिहाल में रहकर की पढ़ाई चंद्रलेखा मौर्या की प्रारंभिक शिक्षा उनके ननिहाल में हुई। बचपन से ही वे पढ़ाई में मेधावी रहीं और हमेशा लक्ष्य के प्रति समर्पित रहीं। अपनी लगन, मेहनत और आत्मविश्वास के बल पर उन्होंने पहली ही बार में इस प्रतिष्ठित परीक्षा को पास कर सफलता की नई मिसाल कायम की।

मां बनी प्रेरणा, सफलता का श्रेय उन्होंने दिया अपनी इस सफलता का श्रेय चंद्रलेखा मौर्या ने अपनी मां सुधा देवी को दिया। उन्होंने कहा, ज्येष्ठी मां हमेशा मेरी प्रेरणा रही हैं। उन्होंने हर परिस्थिति में मेरा मार्गदर्शन किया और मुझे आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इस मुकाम तक पहुंचने में कई कठिनाइयां आई, लेकिन दृढ़ निश्चय, मेहनत और ईमानदारी से की गई पढ़ाई ने उन्हें इस सफलता तक पहुंचाया। उन्होंने अन्य विद्यार्थियों को भी संदेश दिया कि यदि वे लगन और मेहनत से पढ़ाई करेंगे, तो सफलता अवश्य मिलेगी। पढ़ाई के साथ शौक भी जरूरी चंद्रलेखा मौर्या को पढ़ाई

संवाददाता. बिहारशरीफ

करायापुरसुराय (अपना नालंदा)। अगर मन में मजबूत इरादा हो और मेहनत के प्रति ईमानदारी बनी रहे, तो कई भी बाधा सफलता की राह में रुकावट नहीं बन सकती। इसी दृढ़ संकल्प का परिचय देते हुए नूरसराय प्रखंड के परासी गांव की चंद्रलेखा मौर्या ने बिहार न्यायिक सेवा (BPSC 32वीं न्यायिक परीक्षा) में प्रथम प्रयास में ही शानदार सफलता प्राप्त कर 40वीं रेंक हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे गांव में खुशी की लहर दोड़ गई है। परिजनों और ग्रामीणों ने एक-दूसरे को मिठाइयां खिलाकर बधाइयां दीं और चंद्रलेखा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

संवाददाता. बिहारशरीफ

करायापुरसुराय (अपना नालंदा)। अगर मन में मजबूत इरादा हो और मेहनत के प्रति ईमानदारी बनी रहे, तो कई भी बाधा सफलता की राह में रुकावट नहीं बन सकती। इसी दृढ़ संकल्प का परिचय देते हुए नूरसराय प्रखंड के परासी गांव की चंद्रलेखा मौर्या ने बिहार न्यायिक सेवा (BPSC 32वीं न्यायिक परीक्षा) में प्रथम प्रयास में ही शानदार सफलता प्राप्त कर 40वीं रेंक हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे गांव में खुशी की लहर दोड़ गई है। परिजनों और ग्रामीणों ने एक-दूसरे को मिठाइयां खिलाकर बधाइयां दीं और चंद्रलेखा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

संवाददाता. बिहारशरीफ

करायापुरसुराय (अपना नालंदा)। अगर मन में मजबूत इरादा हो और मेहनत के प्रति ईमानदारी बनी रहे, तो कई भी बाधा सफलता की राह में रुकावट नहीं बन सकती। इसी दृढ़ संकल्प का परिचय देते हुए नूरसराय प्रखंड के परासी गांव की चंद्रलेखा मौर्या ने बिहार न्यायिक सेवा (BPSC 32वीं न्यायिक परीक्षा) में प्रथम प्रयास में ही शानदार सफलता प्राप्त कर 40वीं रेंक हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे गांव में खुशी की लहर दोड़ गई है। परिजनों और ग्रामीणों ने एक-दूसरे को मिठाइयां खिलाकर बधाइयां दीं और चंद्रलेखा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

संवाददाता. बिहारशरीफ

करायापुरसुराय (अपना नालंदा)। अगर मन में मजबूत इरादा हो और मेहनत के प्रति ईमानदारी बनी रहे, तो कई भी बाधा सफलता की राह में रुकावट नहीं बन सकती। इसी दृढ़ संकल्प का परिचय देते हुए नूरसराय प्रखंड के परासी गांव की चंद्रलेखा मौर्या ने बिहार न्यायिक सेवा (BPSC 32वीं न्यायिक परीक्षा) में प्रथम प्रयास में ही शानदार सफलता प्राप्त कर 40वीं रेंक हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे गांव में खुशी की लहर दोड़ गई है। परिजनों और ग्रामीणों ने एक-दूसरे को मिठाइयां खिलाकर बधाइयां दीं और चंद्रलेखा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

संवाददाता. बिहारशरीफ

करायापुरसुराय (अपना नालंदा)। अगर मन में मजबूत इर

PMAY-G सर्वे में अवैध वसूली का खुलासा, ग्रामीण आवास सहायक निलंबित

प्रखंड नूरसराय के अजयपुर पंचायत में ग्रामीण आवास सहायक द्वारा अवैध वसूली की शिकायत सामने आई।

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा के जिलाधिकारी शशांक शुभंकर के निर्देशानुसार जिलेभर में आवास विहीन लाभुकों का सर्वे कार्य चल रहा है। इसी दौरान, प्रखंड नूरसराय के अजयपुर पंचायत में ग्रामीण आवास सहायक द्वारा अवैध वसूली की शिकायत सामने आई।

सूचना के अनुसार, ग्रामीण आवास सहायक निकटी कुमारी द्वारा **PMAY-G** योजना के तहत आवास विहीन लाभुकों का सर्वे कर नाम जोड़ने के बदले प्रत्येक लाभुक से 1500 रुपये की मांग की जा रही थी। इस संबंध में प्रखंड विकास पदाधिकारी, नूरसराय द्वारा जांच कराई गई, जिसमें आरोप सही पाया गया। इसके आलोक में,



प्रधान मंत्री
आवास योजना-ग्रामीण
Pradhan Mantri Awas Yojana Gramin

नगर निगम का कचरा प्रबंधन सिस्टम कमज़ोर, प्रोसेसिंग प्लांट अब भी अधूरा

नगर निगम बनने के 18 साल बाद भी शहर में कचरा प्रोसेसिंग प्लांट का सपना अधूरा ही बना हुआ है। शहर में हर दिन लगभग 3 टन कचरा घरों और नालियों से निकलता है, लेकिन अब भी इसका निपटान पुरानी पद्धति से ही किया जा रहा है।



संवाददाता, बिहारशरीफ

नगर निगम ने चक्रसलपुर स्थित डंपिंग यार्ड में कचरा प्रोसेसिंग के लिए कुछ मशीनें लगाई थीं, लेकिन वे केवल दिखावे तक सीमित रह गईं। इसी तरह 17 नंबर वार्ड में कचरा संग्रह केंद्र बनाया गया था, जहां जैविक खाद बनाने की योजना थी, मगर फिलहाल वह भी निष्क्रिय है। नालियों की सफाई से निकलने वाला गाद और घरों से उठाए जाने वाले कचरे के निस्तारण के लिए डोर-टू-डोर

कचरा संग्रहण प्रणाली तो है, लेकिन कोई ठोस समाधान नहीं। जानकारी के अनुसार, नगर आयुक्त दीपक कुमार मिश्रा ने एक बार फिर कचरा प्रोसेसिंग प्लांट लगाने के प्रयास शुरू किए हैं। इस बार एक सीमेंट निर्माता कंपनी इसके लिए तैयार हुई है। यदि यह योजना साकार होती है तो शहर में कचरा प्रबंधन की समस्या काफी हद तक हल हो सकती है।

बीआरसी में बीईओ ने किया समीक्षा बैठक

स्थानीय बीआरसी में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी अब्दुल मन्नान ने मंगलवार को स्कूलों के प्रधान शिक्षकों के साथ बैठक किया।



संवाददाता, अपना नालन्दा, हरनौत

बीईओ ने बताया कि बैठक में

छात्र-छात्राओं की अपार आईडी को लेकर , कंपोजिट ग्रांट को लेकर , चहक , शिक्षा संबंधित विभिन्न योजनाएं , ईको वलब को लेकर , स्कूलों में चल रहे शौचालय निर्माण को लेकर , विभिन्न स्कूलों में चल रहे मरम्मती आदि की समीक्षा हुए । उन्होंने बताया कि बैठक में प्राथमिक विद्यालय, मध्य विद्यालय एवं हाईस्कूलों के एचएम मौजूद थें । वहीं परिवर्तनकारी प्रारंभिक शिक्षक संघ के जिला सचिव सह प्रखंड अध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि बैठक के दौरान नए बीईओ से औपचारिक मुलाकात हुई । सभी उपस्थित प्रधान शिक्षकों से परिचित हुए । मौके पर परिवर्तन प्रारंभिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष प्रकाश चंद्र भारती , शिक्षा विभाग के बीपीएम मनीष कुमार , बीआरपी नवीन , बीआरपी दीक्षित , बीआरपी ऋषि , एमडीएम प्रभारी शंभू के अलावा प्रधानाध्यापक में अखिलेश , विनोद अनील दत , बृंद , कौशलेंद्र , विनोद , विजय , बृंद समेत अन्य मौजूद थे ।

साइबर अपराधियों ने हरनौत रेल कारखाना कर्मी से ठगी की, 1.60 लाख रुपये का हुआ नुकसान



संवाददाता: हरबौत

हरनौत (अपना नालंदा)। पिछले दिनों साइबर अपराधियों ने हरनौत रेल कारखाना के एक कर्मी को डिजिटल अरेस्ट करते हुए 1.60 लाख रुपये की ठगी की। इस मामले को लेकर पीड़ित ने मंगलवार को स्थानीय थाना में आवेदन देकर अपनी रकम वापस करने की गुहार लगाई है। पीड़ित विकास कुमार भोजपुर जिले के जगदीशपुर थाना अंतर्गत अपराधियों ने आरबीआई से क्लीयरेंस और कोर्ट में जमानत राशि जमा करने के नाम पर 1.60 लाख रुपये की ठगी की। इसके बाद, उन्हें और पैसे की मांग की गई और धमकी दी गई कि किसी को यह जानकारी साझा करने पर गिरफ्तारी की जाएगी। प्रभारी थानाध्यक्ष गणेश राय ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और पुलिस कार्रवाई जारी है।



नव नालंदा महाविहार में प्रो. दीपंकर लामा को दी गई भावपूर्ण विदाई



संवाददाता, बिहारशरीफ

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नव नालंदा महाविहार (सम विश्वविद्यालय), नालंदा के निर्वत्मान कुलसचिव और तिब्बती, चीनी, जापानी एवं बौद्ध अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. दीपंकर लामा के सेवानिवृत्त होने पर मंगलवार को विश्वविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के आचार्य, शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। प्रो. दीपंकर लामा ने लगभग 25 वर्षों तक नव नालंदा महाविहार में शिक्षण कार्य किया और 31 जनवरी को सेवानिवृत्त हुए। उनके नेतृत्व, समर्पण और कार्य के प्रति प्रतिबद्धता को अनुकरणीय बताया गया। महाविहार के विकास में उनके योगदान को महत्वपूर्ण माना जाता है। अपने कार्यकाल में उन्होंने कई महत्वपूर्ण पदों का सफलतापूर्वक दायित्व निभाया, जिनमें अधिष्ठाता (अकादमिक), रजिस्ट्रार, परीक्षा नियंत्रक, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) के संयोजक, तिब्बती अध्ययन, बौद्ध अध्ययन एवं चीनी-जापानी

अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष सहित कई समितियों की सदस्यता शामिल रही। विदाई समारोह में कुलपति प्रो. सिद्धार्थ सिंह ने प्रो. लामा के योगदान को अविस्मरणीय बताते हुए कहा कि वे जितने शालीन थे, उतने ही कर्तव्यनिष्ठ भी। उन्हें जो भी दायित्व सौंपा गया, उसे उन्होंने पूरी ईमानदारी से निभाया। इसी कारण वे सभी के प्रिय रहे। कुलपति ने प्रो. लामा के स्वस्थ, दीर्घायु और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर प्रो. दीपंकर लामा ने कुलपति और विश्वविद्यालय परिवार को उनके स्नेह और सम्मान के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि सेवाकाल के दौरान उन्हें सभी शिक्षकों और कर्मचारियों का भरपूर सहयोग मिला, जिससे यह सफर सुखद और यादगार बना।

अंत में, महाविहार के सभी आचार्यों एवं कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से प्रो. लामा को शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखद एवं स्वस्थ जीवन की कामना के साथ विदाई दी।

नगर निगम के लिए आय बढ़ाना बड़ी चुनौती, अनुदान पर निर्भरता बरकरार

बिहारशरीफ(अपना नालंदा)। वित्तीय वर्ष 2025–26 में नगर निगम के लिए सबसे बड़ी चुनौती अपनी आय में वृद्धि करना होगी। हर साल बजट में आय बढ़ाने पर जोर दिया जाता है, लेकिन वित्तीय वर्ष समाप्त होने तक निगम अपने लक्ष्य से पीछे रह जाता है। 2024–25 में नगर निगम ने 389.6 करोड़ रुपये का बजट पेश किया था, जिसमें 159.34 करोड़ रुपये, आय का अनुमानित लक्ष्य रखा गया था। हालांकि, वास्तविक आय का आकलन 2025–26 के बजट पेश होने के बाद ही स्पष्ट होगा। नगर निगम की राजस्व शाखा के अनुसार, अब तक हॉलिडंग टैक्स, जलकर और कचरा प्रबंधन टैक्स से 9.47 करोड़ रुपये की आय हुई है, जबकि अगले दो महीनों में यह राशि बढ़कर 12 करोड़ रुपये तक पहुंचने की संभावना है। नगर निगम की आर्थिक स्थिति

मजबूत नहीं है, जिससे कर्मियों के वेतन समेत अन्य खर्चों के लिए हर साल उसे अनुदान पर निर्भर रहना पड़ता है। 2024–25 के बजट में राज्य और केंद्र सरकार से 128.66 करोड़ रुपये के राजस्व अनुदान का प्रावधान किया गया था, जबकि 139.91 करोड़ रुपये के व्यय का उपबंध रखा गया था। प्रमुख आय स्रोतों में हॉलिडंग टैक्स से 9 करोड़ रुपये, शहरी क्षेत्र में जमीनों की खरीद-विक्री से 6 करोड़ रुपये, अस्थायी दुकानों और सैरातों से 2.86 करोड़ रुपये, कचरा प्रबंधन से 2.20 करोड़ रुपये, और विज्ञापन से 10 लाख रुपये मिलने की संभावना जर्ताई गई थी। नगर निगम के आय संसाधन सीमित हैं, जिससे उसे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए नई योजनाएं लागू करने की जरूरत है।

वासंती का रूपहला सौंदर्य: कुदरत का स्नेह संदेश

वासंती का रंग रूपहला,
इसमें हीं खो जायें हम,
कुदरत ने पैगाम है
लाया,
इससे नेह लगा लें
हम।

विभिन्न किस के फूल खिले हैं,
मादकता का दौरा है,
इसे घुम आलिंगन करता,
कली कली पर भौंरा है,
बिखरा है चहुं ओर
हीं खुशबू
इसके बीच घुम आयें हम।
वासंती का रूप रूपहला,
इसमें हीं खो जायें हम।
तेज हवा के झाँके से
तरुवर करते आलिंगन है,
पंक्षी कलरव किलकारी करते,
वसंत स्वागत तुझे
वंदन है,

लगे बागों में मिलकर एक एक बीज उगायें हम।
वासंती का रूप रूपहला, इसमें हीं खो जायें हम।
वेशक मन को शान्ति देता, कुदरती मस्त नजारा है,
लेकिन ये स्थायी नहीं जैसे एक बंजारा है,
पेड़ पौधे से हीं बहारें
इसको न भुल पायें हम।
वासंती का रूप रूपहला, इसमें हीं खो जायें हम,
कुदरत ने पैगाम है लाया, इससे नेह लगायें हम।



डॉ. आर लाल गुप्ता
वारिष्ठ पत्रकार



अपनी कविता शायरी रचनाएं एवं विज्ञापन के लिए हमारे हॉट्सेप्ट नंबर पर भेजें:-

M apnanalandaofficial881@gmail.com

70705 72018

20 साल पूरा होने के उपलक्ष्य में

बच्चों की सुरक्षा
Estd.- 2005
Reestablished- 2021
Reg. No.- 229138720211127192204

राष्ट्र की शान
9334304341
7563996997
8873996997

BIHAR CENTRAL SCHOOL

Shiksha Nagar, Doiya (Near Kut Factory) N.H.-17 (Nalanda)

प्रिय अभिभावकों,

जिस तरह आप अपने बच्चों के भविष्य को संवारने के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं, तो उसी तरह हम भी उन्हें सुखद और समृद्ध बनाने के लिए कृत संकलिपण हैं। बिहार की पावन धरा जिस तरह विश्व को ज्ञान के प्रकाश से प्रकाशित कर रही है। जिसका एक प्रारूप ‘बिहार सेन्ट्रल स्कूल’ है।

इसकी कुछ विशेषताएँ इस प्रकार हैं-

- कुशल एवं योग्य शिक्षकगण।
- अनुशासित शैक्षणिक वातावरण।
- सी.सी.टी.वी. कैमरे से लैस कैपस।
- सभी मार्गों के लिए वाहन की सुविधा।
- साफ सुथरा तथा ‘इको फ्रेंडली’ स्कूल कैपस।
- पढ़ाई के साथ-साथ अनेक खेलों की सुविधा।
- सुसज्जित प्रयोगशाला, पुस्तकालय और कंप्यूटर लैब।
- समय-समय पर शैक्षिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

Bumper Discount
₹ 5000/- + Educational Kit Free

Play Group to 10th **Admissions OPEN** **New Admission Session 2025-2026**
OFFER Up to 1st March 2025

Principal SHYAM SUNDAR PRASAD
विशेष धमाका ऑफर (प्रतिभा अनुरूप नामांकन में भी छूट)

PHYSICS WALLAH | **VIDYAPEETH PATHSHALA**

बिहार शरीफ
SESSION 2025-2026 Offline Classes

ADMISSIONS OPEN
JEE | NEET | Foundation Class 8th to 12th & Dropper

कम Fee में पढ़े India का No.1 Institute में Star Faculty के साथ

Our Facilities:

	AC Classroom		CCTV Campus
	Offline Classes		Digital Board
	Doubt Support		Study Material & DPP
	Daily Recorded Lectures		Experiments for Practical Knowledge
	Hostel Facility Available	*T&C Apply	

धनेश्वरघाट मंदिर के पीछे, बिहार शरीफ 95766 85051

जानकी शिशु महाविहार

शिशु स्वर से पंचम वर्ग तक

उपलब्ध सुविधाएँ

- ❖ शिशु स्तर से पंचम स्तर के बच्चों के पठन-पाठन की उत्तम व्यवस्था।
- ❖ बेहतर महौल में शिक्षण की व्यवस्था।
- ❖ C.C. T.V. कैमरा की व्यवस्था।
- ❖ स्मार्ट क्लास।
- ❖ सभी रूट पर वाहन की व्यवस्था।
- ❖ खेल-खिलौना द्वारा शिशु शिक्षण की अनुपम व्यवस्था।
- ❖ उच्च स्तरी शिक्षकों की टीम
- ❖ खेल-कूद के लिए बड़ा मैदान।

नामांकन जारी है...

निदेशक : रणधीर रंजन

जानकी शिशु महाविहार

आधुनिक तकनीक **उर्जावान समूह** **गुणवत्तापूर्ण शिक्षा** **सृजनात्मक शिक्षण** **प्रगति कार्यक्रम**

9304290818, 7652231781

पता : भैंसासूर मोड से उत्तर, कागजी महल्ला, बिहारशरीफ (नालंदा)